पानी के कारण मप्र में रिकॉर्ड चीनी उत्पादन की संभावना

बिजनेस भास्कर ▶ **इंदौर...**

प्रदेश में लगातार हुई बारिश से भले ही अन्य फसलों को भारी क्षति पहुंची हो, लेकिन गन्ना की फसल को कोई नुकसान नहीं हुआ है। खेतों में पानी रहने के कारण गन्ना से बेहतर रिकवरी आ रही है। प्रदेश की शुगर मिलें जो मार्च तक ही बमुश्किल चल पाती थीं, वे इस बार अप्रैल तक चल सकेंगी। गन्ना विशेषज्ञों का अनुमान है कि मध्य प्रदेश में इस बार 30 लाख टन तक मिलों में गन्ना क्रसिंग (पिराई) की जा सकेगी। इस तरह प्रदेश में वर्तमान में कार्य कर रहीं 16 मिलें करीब तीन लाख टन चीनी उत्पादन कर सकेंगी, जो कि एक रिकॉर्ड होगा। हालांकि मध्य प्रदेश में बेहतर उत्पादन के बावजूद देश में चीनी के कम उत्पादन के अनुमान के कारण चीनी का भाव महंगा हो गया है।

वर्तमान में चीनी का थोक भाव 3020 से 3100 रुपये प्रति क्विंटल तक चल रहा है। पूर्व गन्ना आयुक्त और शुगर मिल एसोसिएशन के

16

मिलें मध्य प्रदेश में तीन लाख टन चीनी उत्पादन कर सकेंगी, जो कि रिकॉर्ड होगा

सलाहकार डॉ. साधूराम शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश में हाल में गिरे पानी के कारण गन्ना में रिकवरी (मिठास का प्रतिशत) अच्छी आ रही है। वर्तमान में औसतन 10 से 11 फीसदी की औसत आ रही है, जबकि प्रदेश में यह नौ से 10 फीसदी होती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि प्रदेश में इस बार शुगर मिलें अधिक समय तक क्रसिंग करेंगी। इस बार अप्रैल के पूरे माह तक भी ज्यादातर मिलें उत्पादन करेंगी। प्रदेश में मिलों के द्वारा 225 से लेकर 245 रुपये प्रति क्विंटल तक किसानों को गन्ना का भाव दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में करीब 1.30 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में गन्ना की फसल की गई है।

Business Bhaskar.
15-3-14